STATEMENTS BY MINISTER

Status of implementation of recommendations contained in the Second and the Sixth Reports of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Chemicals and Fertilizers

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PORTS, SHIPPING AND WATERWAYS; AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI MANSUKH MANDAVIYA): Sir, I lay the following statements regarding:-

(i) Status of implementation of recommendations contained in the Second Report of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Chemicals and Fertilizers on Demands for Grants (2019-20) pertaining to the Department of Chemicals and Petrochemicals, Ministry of Chemicals and Fertilizers.

(ii) Status of implementation of recommendations contained in the Sixth Report of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Chemicals and Fertilizers on Demands for Grants (2020-21) pertaining to the Department of Chemicals and Petrochemicals, Ministry of Chemicals and Fertilizers.

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Need to set up headquarters of Steel Research and Technology Mission of India (SRTMI) at Ranchi in Jharkhand

श्री महेश पोद्दार (झारखंड): धन्यवाद, सभापति जी। महोदय, आज भारत इस्पात निर्माण के क्षेत्र में प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में और भाई धर्मेन्द्र प्रधान जी की अगुवाई में पूरे विश्व में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। भारत में 2030 तक 300 मिलियन टन इस्पात के उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है, जो वर्तमान में करीब 100 मिलियन टन है और यह लक्ष्य पूरा होगा, ऐसा मुझे प्रतीत हो रहा है।

महोदय, भारत सरकार ने इस्पात उद्योग में अनुसंधान और उसकी प्रक्रिया में इस्पात उत्पादक उद्यमी जो निजी क्षेत्र में हैं, उनकी भागीदारी का महत्व समझा है। इसलिए उनके

सहयोग Steel research technology mission of India अर्थात् 'SRTMI' का गठन किया है। इस महत्वपूर्ण और दूरगामी पहले के लिए मैं माननीय इस्पात मंत्री जी को को धन्यवाद देना चाहूंगा।

महोदय, ज्ञात हुआ है कि 'SRTMI' के संचालन के लिए सोसाइटी का गठन हो चुका है। मेरा मानना है कि इसके मुख्यालय और लैब के लिए झारखंड की राजधानी रांची सर्वाधिक उपयुक्त स्थान है। हम सब जानते हैं कि झारखंड में प्रचुर मात्रा में लौह, कोयला आदि सभी तरह के इनपुट्स हैं, इसके अलावा रांची एक ऐसी जगह पर स्थित है- झारखंड में निजी क्षेत्र के कारखाने टाटा स्टील, जेएस स्टील इत्यादि हैं। भिलाई, दुर्गापुर, राउरकेला, बुरहानपुर इत्यादि पब्लिक सेक्टर के कारखाने भी रांची से कुछ घंटों की दूरी पर हैं। इसके अलावा वहां पर विश्व की मानी हुई रिसर्च लैब संस्थान भी हैं, जैसे सेल का आर.एंड डी. और National Metrology Institute जमेशदपुर में उपलब्ध हैं। वहां पर एक लोक उपक्रम एचईसी भी है। वह अच्छी हालत में नहीं है, जबकि उसके पास काफी मात्रा में जगह, भवन और अन्य सुविधाएं भी हैं। उल्लेखनीय है कि भारत में लो ग्रेड कोल और लो ग्रेड ऑयरन ओर के स्टॉक में भारतीय तकनीकी के साथ छोटे तथा मध्यम प्लांट्स में करीब-करीब 60 प्रतिशत इस्पात का उत्पादन होता है, ऐसा विश्व में कहीं नहीं हो रहा है। इन क्षेत्रों में भी यदि आर. एंड डी. का सपोर्ट मिल जाए, तो बहुत अच्छी प्रगति हो सकती है। पूर्व इस्पात मंत्री जी से उस समय के मुख्य मंत्री रघुवर दास जी के साथ मैं भी मिला था और हमने उनसे 'SRTMI' का मुख्यालय रांची में खोलने की बात कही थी। उन्होंने हमसे प्रॉमिस भी किया था। मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करना चाहूंगा कि 'SRTMI' का मुख्यालय रांची में खोलने की प्रक्रिया शीघ्र की जाए, क्योंकि इसमें देरी देश के लिए अच्छी नहीं होगी।

श्री रामकुमार वर्मा (राजस्थान) : महोदय, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री समीर उरांव (झारखंड): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

SHRI VINAY DINU TENDULKAR (Goa): Sir, I also associate myself with the Zero Hour submission made by the hon. Member.

SHRI SUBHASH CHANDRA SINGH (Odisha): Sir, I also associate myself with the Zero Hour submission made by the hon. Member.

SHRI NEKKANTI BHASKAR RAO (Odisha): Sir, I also associate myself with the Zero Hour submission made by the hon. Member.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I also associate myself with the Zero Hour submission made by the hon. Member.